सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 15 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 273, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गोलमोल जवाब पर आबकारी अधिकारी को फटकार... » Pg03

यूपीः 1.86 करोड़ महिलाओं को दिवाली पर मिला गैस सिलेंडर का तोहफा

» Pg12

कोल्ड्रिफ और मौत का तांडव, डॉक्टर बने दैत्य

कमीशनखोरी की दौड़ में मासूमों की जान का सौदा

जहरीले कफ सिरप कांड में डॉ. सोनी ने कोर्ट में कबूला मिलता था 10 प्रतिशत कमीशन, जमानत अर्जी खारिज

चौंकाने वाला खुलासा

» परिवार की मिली-भगत भी आई सामने, दवाई के पूरे बैच के सैंपल फेल।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में 25 मासूमों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप कांड में अब एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है, जिसने पूरे देश को चिंता में डाल दिया है। परासिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर प्रवीण सोनी ने कोर्ट में दिए अपने मेमोरेंडम बयान में स्वीकार किया है कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड से उन्हें कोल्ड्रिफ कफ सिरप प्रिस्क्राइब करने के एवज में 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था। इस सिरप की एमआरपी 89 दर्ज है।

इतना ही नहीं, जांच में सामने आया है कि डॉक्टर की पत्नी और भतीजे की मेडिकल दुकान पर भी इसी कंपनी की दवाइयां बेची जाती थीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कमीशन और लाभ के लिए बच्चों की सेहत से सौदा किया जा रहा था।

वकील ने कहा- कंपनी दोषी

डॉ. सोनी ने कोर्ट में अपने बयान में कहा कि उन्हें हर बिक्री पर कमीशन मिलता था। हालांकि, बचाव पक्ष ने यह दलील दी कि मिलावट की जिम्मेदारी डॉक्टर की नहीं, बल्कि निर्माता कंपनी की है, जबकि जांच की जिम्मेदारी ड्रग कंट्रोलर विभाग की होती है। वकील ने कहा कि डॉ. सोनी 35-40 वर्षों से मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं और उन्होंने कभी जानबूझकर गलत दवा नहीं दी। उन्हें तकनीकी आधार पर फंसाया गया है और एफआईआर के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

मात्र आठ रुपए के लालच में, जानकारी होते हुए बच्चों को लिख दी मौत रूपी दवा

सरकारी वकील का तर्क- डॉक्टर को थी पूरी जानकारी

सरकारी वकील ने जमानत आवेदन का विरोध करते हुए कोर्ट में कहा कि डॉ. सोनी को यह जानकारी थी कि फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) वाली दवाएं 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। इसके बावजूद उन्होंने बच्चों को यही सिरप दिया। उन्होंने यह भी बताया कि डॉक्टर ने खुद माना है कि कंपनी से कमीशन लेते थे और सिरप के स्टॉकिस्ट उनके परिजन ही हैं। हालांकि यह भी चिंतनीय विषय है कि देश में कितने डॉक्टर ऐसी दवा कंपनियों से कमीशन लेकर ऐसे घिनौने कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

डॉ. की पत्नी और भतीजे की दुकान पर मिलती थीं दवाएं

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि कई दवाइयां डॉक्टर की पत्नी ज्योति सोनी और भतीजे की मेडिकल दुकान से बेची जाती थीं। यानी डॉक्टर मरीजों को वही दवाइयां लिखते थे, जो उनके अपने मेडिकल स्टोर ÷अपना मेडिकल÷ से बिकती थीं। इससे परिवार को सीधे कमीशन का लाभ होता था।

कोर्ट ने कहा- गंभीर लापरवाही

सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने डॉक्टर प्रवीण सोनी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने आदेश में कहा, घटना की जानकारी होने के बावजूद डॉक्टर ने संबंधित सिरप का उपयोग जारी रखा। 18 दिसंबर 2023 की स्वास्थ्य महानिदेशालय की गाइडलाइन के बाद भी 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यह दवा देना गंभीर लापरवाही है। अपराध गंभीर प्रकृति का है, जांच अधूरी है और अभियुक्त साक्ष्य प्रभावित कर सकता है।

सुल्तानपुर | **बुधवार सुबह हुआ हादसा, मचा हड़कंप**

जबर्दस्त ब्लास्ट, तीन मकान ध्वस्त, 12 घायल, हवाओं में बारूद की गंध

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सुल्तानपुर। बुधवार सुबह सुल्तानपुर के जयसिंहपुर कोतवाली के गंगेव मियागंज में जबर्दस्त विस्फोट हुआ। इसमें तीन मकान बुरी तरह से तबाह हो गए। मलबे में दबने से कुल 12 लोग घायल हो गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर रेस्क्यू मिशन चला रहे हैं। पहली नजर में यह अवैध पटाखों से जुड़ा ब्लास्ट बताया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर विग्रेड और एंबुलेंस की गाड़ियां मौके पर पहुंची। राहत बचाव कार्य करते हुए घायलों को सीएचसी जयसिंहपुर पहुंचाया गया। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। घटना स्थल पर बारूद की गंध आ रही थी। साथ ही मौके पर सुतली गोले भी मिले हैं।

बताया जा रहा है कि यह धमाका कोतवाली से महज 500 मीटर दूर बगियागांव चौराहे के पास स्थित मियागंज बाजार में हुआ। यह धमाका स्थानीय निवासी नजीर के घर में हुआ। चश्मदीदों का कहना है कि सुबह करीब 4:40 बजे तेज धमाके की आवाज सुनाई दी। हमने देखा कि नजीर के घर की छत उड़ गई है और अंदर से बार-बार छोटे धमाके हो रहे हैं। सूचना पर पहुंची 108 और 102 की चार एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

नजीर के बेटे यासीन ने बताया कि उनके पिता नजीर (65), मां जमातुल निशा (62), नूर मोहम्मद (25), सुहैल (17), सदा (12), खुशी (15), सहाना (20) और

पड़ोसी अब्दुल हमीद के परिवार के फैजान (8) व कैफ (22) सहित कुछ अन्य लोग घायल हुए। धमाके से पड़ोसी अब्दुल हमीद के मकान को भी भारी नुकसान पहुंचा है। नजीर पहले शादी-ब्याह के लिए आतिशबाजी बनाता था, लेकिन बाद में उसका लाइसेंस कैंसल हो गया।

पंजाब में एएसआई ने किया सुसाइड, सिर में मारी गोली

लुधियाना (पंजाब)। लुधियाना के रानी झांसी रोड स्थित डीआईजी लुधियाना रेंज सतिंदर सिंह के घर ड्यूटी पर तैनात एएसआई ने अपने सर्विस रिवाल्वर से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

एएसआई तीर्थ सिंह (50) पिछले चार साल से डीआईजी हाउस में ही ड्यूटी करते थे। मंगलवार सुबह उन्होंने सर्विस रिवाल्वर से सिर में गोली मार ली। साथी उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस के आलाधिकारी और थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है।

सुरार में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद प्रशासन की नींद टूटी, खबर का बड़ा असर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर नगर सदर तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुरार में ग्राम समाज की ऊसर भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जे और प्लॉटिंग के मामले में अब प्रशासन हरकत में आ गया है। सदर एसडीएम के आदेश पर राजस्व विभाग की टीम ने कई बीघा अवैध कब्जे वाले भूभाग पर बुलडोजर चला दिया। हालांकि, अभी भी एक बड़ा हिस्सा कब्जे में बना हुआ है जिस पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

» एसडीएम के आदेश पर प्रशासन सख्त, नायब तहसीलदार की जांच में हुई कब्जे की पुष्टि

» मौजूदा लेखपाल ने कथित तौर पर मोटी रकम लेकर भू-माफियाओं के पक्ष में झूठी रिपोर्ट लगाई

ग्राम प्रधान पंकज यादव ने एसडीएम सदर को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव नामक भू-माफियाओं ने आराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा कर अवैध प्लॉटिंग शुरू की। इस पूरे खेल में मौजूदा लेखपाल अनिल कुमार की मिलीभगत बताई गई है, जिन्होंने कथित तौर पर मोटी रकम लेकर भू-माफियाओं के पक्ष में झूठी रिपोर्ट लगाई थी। लगातार स्वराज इंडिया की पड़ताल के बाद यह मामला डीएम के संज्ञान में आया,

बुलडोजर से गिराई गई अवैध बाउंड्री

अवैध प्लाटिंग कर्ता वीर बहादुर यादव

जिसके बाद एसडीएम सदर ने जांच के आदेश जारी किए और नायब तहसीलदार रिचा सचान को जांच अधिकारी नियुक्त किया।

आलोक दुबे प्रकरण से जुड़ा सुरार कनेक्शन

सुरार वही क्षेत्र है, जहाँ पहले कानूनगो आलोक दुबे तैनात थे जिन पर फर्जी रजिस्ट्री, करोड़ों की संपत्ति और दस्तावेजी हेराफेरी के गंभीर आरोप सिद्ध हुए थे। पुलिस ने आलोक दुबे और लेखपाल अरुणा द्विवेदी समेत अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।अब उसी नेटवर्क के सहारे वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव जैसे भू-माफिया फल-फूल रहे हैं। राजस्व विभाग में सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस बार जांच निष्पक्ष होगी, या फिर यह मामला भी आलोक दुबे की तरह फाइलों में दफन हो जाएगा।

जांच में कब्जे की पुष्टि, लेकिन कार्रवाई पर सवाल

जांच अधिकारी रिचा सचान ने स्वीकार किया कि सरकारी ऊसर भूमि पर कई लोगों ने कब्जा किया था, जिन्हें जमीन खाली करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कब्जाधारियों ने भूमि छोड़ने का आश्वासन दिया है। हालांकि सवाल यह उठ रहा है कि क्या सिर्फ भूमि खाली कराना ही पर्याप्त कार्रवाई मानी जाएगी? क्या भू-माफिया और भ्रष्ट राजस्व कर्मियों पर मुकदमा दर्ज होगा या फिर एक बार फिर सुधरने का वादा ही सजा बनकर रह जाएगा?जिलाधिकारी कानपुर ने स्पष्ट किया कि ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमे दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर के नए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय एक्शन मोड में!

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर को स्वच्छ और अनुशासित बनाने की दिशा में नए नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने पदभार संभालते ही सख्त रुख दिखाया है। राधाकृष्ण मंदिर में मत्था टेककर उन्होंने अपना कार्यकाल शुरू किया और इसके तुरंत बाद नगर निगम कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ पहली बैठक की।बैठक में नगर आयुक्त ने जीन्स-टीशर्ट और चप्पल पहनकर कार्यालय आने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों की गरिमा और अनुशासन बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही पान मसाला और धूम्रपान पर भी पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया।

» ऑफिस पहुंचते ही कर्मियों से कहा कि जीन्स-टीशर्ट और चप्पल पहन कर कार्यालय न आएं

» पान मसाला-धूम्रपान भी किया बैन

दीपावली को देखते हुए नगर आयुक्त ने शहरभर में सफाई अभियान तेज करने, सड़क मार्गों की पैचिंग और मार्ग प्रकाश व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी जारी किए।

अर्पित उपाध्याय ने कहा कि कानपुर को स्वच्छ, सुंदर और अनुशासित शहर बनाना मेरी प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी निष्ठा से काम करें।

नए नगर आयुक्त के इन निर्णयों से नगर निगम में अनुशासन की नई शुरुआत की उम्मीद जग गई है।

दिशा बैठक: गोलमोल जवाब पर आबकारी अधिकारी को फटकार

» चीफ जलनिगम, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य से स्पष्टीकरण तलब

» जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मिश्रिख लोकसभा से सांसद अशोक रावत की अध्यक्षता में कानपुर के सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में सड़क, पुलिया, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, आवास और विद्युत आपूर्ति जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई तो कुछ अफसरों की कार्यप्रणाली पर जनप्रतिनिधियों ने तीखी टिप्पणी की।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में मौजूद सांसद और मेयर प्रमिला पांडेय

गोलमोल जवाब पर आबकारी अधिकारी को जमकर फटकार लगाई गई, कुछ विभाग के आलाधिकारियों के गैरहाजिर पर स्पष्टीकरण तलब किया गया। अध्यक्ष सांसद अशोक रावत ने सख्त लहजे में कहा कि बैठक में विभाग के आलाधिकारी ही आएं, अधीनस्थों को भेजकर खानापूर्ति न की जाए।

टीएसएच की जांच में भी लीपापोती का आरोप

अकबरपुर लोकसभा से सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने नगर निगम पर सीएम ग्रिड योजना की सड़कों के टेंडर में धांधली का आरोप लगाया। कहा कि नगर निगम के अधिशाषी अभियंता से कई बार जांच करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने टीएसएच की जांच में भी लीपापोती का आरोप लगाया। कहा कि कन्वेंशन सेंटर की तकनीकी जांच जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में कराई जाए, जब तक जांच न हो, हस्तांतरण न किया जाए।

करीब 92 करोड़ से बनाए गए कन्वेंशन सेंटर और बृजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित जमीन को किसी संस्था को देने पर आपत्ति उठाई गई। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इस मामले की तकनीकी जांच कराने को कहा। सांसद रमेश अवस्थी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बृजेंद्र स्वरूप स्थित जमीन को जेसीआई को कैसे दे दिया गया। इसकी भी जांच होनी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद अशोक रावत ने जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र भेजने के लिए कहा।

आबकारी अधिकारी ने समिति को गुमराह किया

शराब की दुकानों को लेकरह्य सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने कहा कि कई दुकानें स्कूल और मंदिरों के पास खुली हैं, रोज शिकायतें आ रही हैं। सांसद रमेश अवस्थी ने आरोप लगाया कि आबकारी अधिकारी ने पिछली बैठक की रिपोर्ट में कमीशन को गुमराह किया।

सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने आबकारी विभाग से पूछा, जिले में शराब की दुकानें स्कूलों और मंदिरों के पास खोल दी गई। आए दिन शिकायतें आ रहीं। आप लोग चाहते क्या हैं? जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार इसकी हमें रिपोर्ट दें । इसी बात पर सांसद रमेश अवस्थी बोल पड़े, पिछली बैठक में आबकारी अधिकारी से रिपोर्ट मांगी थी कि कितनी शिकायते आई, उसमें कितनी निस्तारित की गई। जवाब में इन्होंने गोलमोल उत्तर दे दिया। दोनों सांसदों की यह बात सुनकर दिशा के अध्यक्ष एवं मिश्रिख सांसद अशोक रावत भड़क गए। बोले, आबकारी अधिकारी ने समिति को गुमराह किया। इनके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति करें और नोटिस जारी करें।

चीफ जलनिगम, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य से स्पष्टीकरण तलब

बैठक में पेयजल, सीवेज व्यवस्था नगरीय की समीक्षा की बारी आई तो अधिशासी अभियंता तुलिका प्रसाद खड़ी हुई। सांसद भोले सिंह ने परियोजना प्रबंधक के बारे में पूछा तो सही जवाब नहीं दे पाई। उन्होंने जिलाधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के लिए कहा। वहीं, बैठक के अंत में सांसद रमेश अवस्थी ने हैलट का प्राइवेट वार्ड 50 अभी तक शुरू न होने पर सवाल किया। प्रमुख चिकित्साधीक्षक डॉ. आरके सिंह सही जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के न आने का कारण पूछा तो बता नहीं पाए। इस पर उन्होंने जिलाधिकारी से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सरोज कुरील, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह, सीडीओ दीक्षा जैन, एडीएम (सिटी) डॉ. राजेश कुमार आदि रहे।

भाई को कीचड़ में डुबो कर मार डाला

बिठूर के पारा प्रतापपुर में नशे में धुत बड़े भाई ने पहले पिता पर किया हमला, फिर छोटे भाई को मौत के घाट उतारा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के पारा प्रतापपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। नशे की लत में डूबे एक युवक ने अपने ही छोटे भाई की बेरहमी से हत्या कर दी। रविवार देर रात हुई इस वारदात ने पूरे गांव में दहशत फैला दी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी भाई कुंदन

जानकारी के मुताबिक, आरोपी कुंदन ने रात करीब 12:30 बजे पहले अपने पिता की चारपाई पलट दी और उन पर हमला करने की कोशिश की। पिता किसी तरह वहां से जान बचाकर भाग निकले। इसके बाद कुंदन ने चारपाई पर सो रहे अपने छोटे भाई विराट (25 वर्ष) को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने उसे घसीटकर खेत के पास बने कीचड़ में दबा दिया, जिससे उसका दम घुट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी कल्याणपुर और थाना प्रभारी बिठूर प्रेम नारायण विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे।

फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिवार वालों ने बताया कि आरोपी कुंदन लंबे समय से नशे का आदी था और घर में आए दिन विवाद करता था। पुलिस ने आरोपी भाई कुंदन को घटना के चार घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया।

योगी के मंत्री ने ग्रमीणों से किया संवाद, बताईं सरकार की योजनाएं

जोगिन ढ़ेरा में पहुंचे असीम अरुण बोले-योजनाओं से कोई वंचित न रहे

कहा- घुमंतू समाज को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ, विशेष कैंप होंगे आयोजित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। योगी सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण बीते मंगलवार को बिल्हौर तहसील के ककवन ब्लॉक स्थित जोगिन ढ़ेरा पहुंचे। यह गांव घुमंतू और जोगी समाज का प्रमुख निवास स्थान है। मंत्री का यह दौरा सरकार के जनजाति एवं मुक्ति आभार दिवस अभियान के तहत हुआ। जिसका उद्देश्य वंचित समाज को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।

मंत्री ने गांव में पहुंचकर नाथ संप्रदाय के लोगों से संवाद किया और कहा कि सरकार इन समाजों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि जोगिन ढ़ेरा में जल्द ही मिलन केंद्र का निर्माण कराया जाएगा, जो सामाजिक और पारिवारिक आयोजनों का केंद्र बनेगा। मंत्री ने पाया कि गांव के अधिकांश परिवारों के पास अभी आधार कार्ड नहीं हैं। इस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष कैंप लगाकर आधार कार्ड और सरकारी योजनाओं से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएं। साथ ही आवास, शौचालय और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए।

भोजन कर जीता दिल

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने जोगी समाज की पारंपरिक प्रस्तुति देखी और ग्रामीणों के साथ झोपड़ी में बैठकर सादा भोजन किया। उनके इस सादे और अपनापन भरे व्यवहार से लोग प्रभावित हुए और कार्यक्रम का माहौल आत्मीय हो गया।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने सौंपा ज्ञापन

पूर्व जिला पंचायत सदस्य नीतू अखिलेश अवस्थी ने मंत्री को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें मिलन केंद्र, बारातशाला, शौचालय, आवास और बच्चों की शिक्षा से जुड़ी मांगें शामिल थीं। मंत्री असीम अरुण ने ज्ञापन की सभी मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि जोगिन ढ़ेरा जैसे गांवों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे। इस मौके पर ककवन ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार, भाजपा नेता अखिलेश अवस्थी, शुभ्रांशु कटियार, पूर्व उपाध्यक्ष जेपी कटियार, नरेश कठेरिया, शानू राठौर, राजू स्वर्णकार और विक्रम मिश्रा समेत भाजपा के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों को सिखाया स्वच्छता का महत्व

» शिक्षक राजन लाल ने बताए मलेरिया, डेंगू और फाइलेरिया से बचाव के उपाय।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय बंसठी प्रथम, विकासखंड चौबेपुर में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक राजन लाल ने बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका सिखाया और बताया कि स्वच्छता अपनाने से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग जरूरी है। घरों के आसपास गंदगी न फैलाएं, कूड़ा करकट न डालें और पानी जमा न होने दें। उन्होंने बच्चों से कहा कि सभी लोग ढके हुए साफ पानी का प्रयोग करें तथा फलों और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि दूसरों को भी सफाई से रहने के फायदे बताएं, जिससे लोग भी जागरुक बनें। विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने स्वच्छता की शपथ भी ली और नियमित रूप से हाथ धोने का संकल्प लिया।

एडीसीपी वेस्ट ने छात्राओं को पढ़ाया मिशन शक्ति का पाठ

बिल्हौर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सीखे नारी सुरक्षा के गुर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को बिल्हौर इंटर कॉलेज में छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) ने छात्राओं को नारी सुरक्षा, आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने नारी सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं, कानूनों और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी हासिल की।

अधिकारियों ने छात्राओं को 1090, 1076, 1098, 112, 181, 1930, 108 और 102 जैसे महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और संकट के समय इनका उपयोग करने की अपील की। साथ ही यूपी कॉप ऐप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पुलिस से जुड़ने और सहायता पाने के तरीकों की जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में राज्य सरकार की योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इस मौके पर एडीसीपी (पश्चिमी) ने कहा कि हर लड़की में आत्मविश्वास की ऊर्जा है, जरूरत है उसे पहचानने की। आत्मनिर्भर और निडर नारी ही समाज को दिशा देती है। इस दौरान प्रधानाचार्य सुरजीत यादव, कोतवाल अशोक सरोज, कस्बा प्रभारी प्रेमवीर, महिला दरोगा, समेत स्कूल का स्टॉफ व छात्राएं मौजूद रहीं।

फायदे का झांसा देकर लाखों की ठगी, तीन पर मुकदमा

बिल्हौर। शिवराजपुर क्षेत्र में ग्रामीणों से फायदे का झांसा देकर लाखों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की है।

इंस्पेक्टर वरुण शर्मा के अनुसार गुरैनी गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रोहित, राकेश और भटपुरा गांव का एक व्यक्ति ग्रामीणों को निवेश पर बड़ा मुनाफा देने का लालच देता था। भरोसा दिलाने के लिए उसने कुछ लोगों को शुरुआती भुगतान भी किया, जिससे कई और ग्रामीण उसके झांसे में आ गए। तीनों ने लोगों से लाखों रुपये इकट्ठा कर लिए और फिर अचानक गांव से फरार हो गए।

सम्पादकीय

एक लाख स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र–छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति–नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेल, पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं।सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है। यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है।

आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है

तालिबानी बंदिशों के बीच सिसकती स्त्री अस्मिता

ज्योति मल्होत्रा

जब से तालिबान दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं। वहां का महिला कल्याण मंत्रालय खत्म कर दिया गया है। कोई महिला या बच्ची अगर बिना मुंह ढके दिखे, तो.जब से तालिबान दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह-तरह की बंदिशें लगाई हैं। वहां का महिला कल्याण मंत्रालय खत्म कर दिया गया है। कोई महिला या बच्ची अगर बिना मुंह ढके दिखे, तो उसे कठोर दंड भी दिया जा सकता है।पिछले दिनों अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत यात्रा पर आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, मगर उसमें महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया। जब इस बात की आलोचना हुई तो उन्होंने एक बचकाना बहाना बनाया कि एंट्री पास की कमी के कारण ऐसा किया गया। खैर, बाद में एक दूसरी प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की गई, जिसमें महिला पत्रकारों को बुलाया गया। उन्होंने परेशान करने वाले सवाल भी पूछे। इसे महिला पत्रकारों की कामयाबी ही कहा जाएगा कि वे अपने इस प्रयास में सफल हुईं कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। यहां स्त्री-पुरुष में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

जब से तालिबान दोबारा सत्ता में आए हैं, उन्होंने पहले की तरह ही महिलाओं पर तरह–तरह की बंदिशें लगाई हैं। वहां का महिला कल्याण मंत्रालय खत्म कर दिया गया है। कोई महिला या बच्ची अगर बिना मुंह ढके दिखे, तो उसे कठोर दंड भी दिया जा सकता है। वे न पढ़ सकती हैं, न लिख सकती हैं। छठी कक्षा से आगे वे पढ़ नहीं सकतीं। पुरुष अध्यापक उन्हें पढ़ा नहीं सकते। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है, जहां स्त्रियों के पढ़ने पर प्रतिबंध है। वे विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकतीं। एक बार मार्च, 2022 में लड़कियों के स्कूल को तालिबानों ने खोला था, लेकिन खोलने के कुछ घंटों बाद ही बंद कर दिया गया। लड़कियां किसी कैम्पस में न वीडियो बना सकती हैं, न अपने फोटो खींच सकती हैं।तालिबानों के सत्ता में आने से पहले अफगानिस्तान में सत्ताईस प्रतिशत स्त्रियां नौकरी करती थीं। लेकिन अब उनका भविष्य अंधकारमय है। यही नहीं, कई प्रांतों में दुकानदारों को आदेश दिए गए हैं कि यदि कोई स्त्री बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ आए, तो उसे सामान न दिया जाए। वे किसी जिम में भी बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के नहीं जा सकतीं।नौ साल की उम्र में लड़कियों की शादी जायज है।

वे कृषि, सिविल इंजीनियरिंग, पत्रकारिता आदि नहीं पढ़ सकतीं क्योंकि नेताओं के अनुसार ये विषय महिलाओं के लिए बहुत कठिन हैं। महिलाएं किसी टीवी प्रोग्राम में भाग नहीं ले सकतीं। वे न किसी फिल्म में काम कर सकती हैं। बहुत से संस्थानों में उनके नौकरी करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। महिलाएं खिड़की से बाहर न झांकें, इसलिए यदि उनके घर में ऐसी खिड़कियां हैं, तो उन्हें बंद करना पड़ा है। महिलाओं को चेहरा ढकना तो अनिवार्य है ही। कारण कि महिलाओं को देखकर पुरुष लालायित न हों। कमाल है न, यदि कोई पुरुष किसी महिला को वासना भरी नजरों से देख रहा है, तो उसमें भी पुरुष का नहीं महिला का ही दोष हुआ। उनका इलाज भी सिर्फ महिला डाक्टर ही कर सकती हैं।

बाघ का अस्तित्व बचाने को शिकारियों पर लगे अंकुश

राष्ट्रीय पशु बाघ

ज्वाला सिंह दास

देश में संरक्षण अभियान के चलते राष्ट्रीय पशु बाघ की संख्या तेजी से बढ़ी है। लेकिन उसी तेजी से इनके शिकार में भी वृद्धि हो रही है। वजह है इनके अंगों की वैश्विक बाजार में बढ़ी मांग। हालांकि आपसी संघर्ष में भी बाघ मरते हैं लेकिन शिकार से मौतों का आंकड़ा इससे बड़ा है।देश में जिस तरह बाघ संरक्षण अभियान ने विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके रॉयल बंगाल टाइगर यानी राष्ट्रीय पशु बाघ का अस्तित्व बचाने में कामयाबी पाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। देश में बाघों की तादाद में बढ़ोतरी उसी अभियान का परिणाम है। इसकी सफलता में बाघ संरक्षण प्रयासों में तेजी, उनके शिकार में कमी और उनके पुनर्वास जैसे कारकों की अहम भूमिका रही है।

इनमें अभयारण्यों की स्थापना, प्रबंधन में सुधार, बेहतर गश्त और वन्यजीव अपराधों के खिलाफ कड़े कानूनों के क्रियान्वयन का भी योगदान सराहनीय रहा। परिणामस्वरू शिकारियों पर लगाम लगाने में सफलता मिली और अब बाघों की तादाद 3682 तक जा पहुंची है।वियतनाम और लाओस जैसे देशों में बाघ विलुप्ति के कगार पर हैं। गौरतलब है कि जिस तेजी से देश में बाघों की तादाद में बढ़ोतरी हुई है, उसी तेजी के साथ इनके शिकार में भी वृद्धि हो रही है।

हकीकत यह कि बाघों के शिकार में जारी बढ़ोतरी और आपसी संघर्ष के चलते हो रही उनकी मौतों से जहां बाघों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है वहीं वन्यजीव शिकारियों और तस्करों की कारगुजारियों ने बाघ संरक्षण के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिया। आखिर इनके शिकारियों के बढ़ते हौसलों पर अंकुश कब लगेगा? गौरतलब है कि वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में देश में पिछले वर्ष की तुलना में बाघों के शिकार के मामलों में 57.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बाघ संरक्षण के प्रयासों के लिए खतरे की घंटी है। यदि 2021 से 2024 के बीच के चार वर्षों का जायजा लें तो इस दौरान 586 बाघों की मौत हुई। वर्ष 2025 के बीते नौ महीनों में यह आंकड़ा लगभग 169 को पार कर गया है।राष्ट्रीय बाघ संरक्षण अथॉरिटी (एनटीसीए) की मानें तो इस वर्ष 2025 में 169 मौतों में बाघों के मुकाबले बाघिनों की ज्यादा मौतें हुईं। पैंतालिस बाघिनों की अलग–अलग वजहों से मौत हुई जबकि 40 बाघों की मौत हुई। 25 शावक और 15 युवा बाघ भी मारे गए, जबकि 45 वयस्क बाघों ने भी अपनी जान गंवाई। देखा जाए तो अधिकांश बाघों की मौत आपसी संघर्ष, सड़क हादसे या प्राकृतिक रूप से उम्र पूरी होने के चलते हुई । वहीं शिकार और अंगों की तस्करी के लिए भी बाघों की मौत के मामलों में गंभीर रूप से हुई बढ़ोतरी नकारी नहीं जा सकती।आंकड़े गवाह हैं कि बाघों की मौत के मामले में टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त देश का मध्य प्रदेश राज्य शीर्ष पर है। यहां देश में सर्वाधिक 785 बाघ हैं। इसी राज्य में अब तक सबसे ज्यादा 40 बाघ, बाघिन और शावक अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और फिर कर्नाटक का नंबर आता है। महाराष्ट्र में 28 और कर्नाटक में 15 बाघों ने अपनी जान गंवाई है। उत्तराखंड में 8 और उत्तर प्रदेश में 3 बाघों ने अपनी जान गंवाई है। मध्य प्रदेश में हुई बाघों की मौत के संदर्भ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक का कहना है कि इसकी मुख्य वजह शिकार है।

वीएसएसडी कॉलेज में कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

» आत्मरक्षा और सशक्तिकरण का संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वी.एस.एस.डी. कॉलेज, कानपुर में 1090 वूमेन पावर एंजेल टीम एवं रोटरी क्लब ऑफ अतुल्य, कानपुर के सहयोग से चल रहे पंद्रह दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह बुधवार को उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी आकांक्षा सिंह रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सी.ए. नीतू सिंह उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. नीरू टंडन, उप-प्राचार्य, वी.एस.एस.डी. कॉलेज ने की।

समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर डा. नीलम पाल ने प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसके बाद छात्राओं ने आत्मरक्षा के प्रभावशाली प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया।मुख्य अतिथि आकांक्षा सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर युवती को आत्मरक्षा के साथ आत्मविश्वास भी सीखना चाहिए, क्योंकि यही सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है।

कार्यक्रम में रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटेरियन यतीन्द्र शुक्ला, डा. अंशु सिंह सेंगर, डा. शशि रानी पाल, एवं प्रज्ञा श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस दौरान प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा प्रशिक्षिकाएँ निधि एवं ज्योति को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा. फातिमा अशाना ने किया।

समापन अवसर पर एन.एस.एस. इकाई द्वारा एंटी-पॉलीथीन ड्राइव का शुभारम्भ किया गया, जिसमें रोटरी क्लब की ओर से छात्राओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए।अंत में डा. अनुराधा तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन को छात्राओं के आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में सराहा गया।

पति ने हथौड़ा मारकर पत्नी को उतारा मौत के घाट

आरोपी फरार, सास-ससुर हिरासत में, दो मासूम हुए बेसहारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज के लालता खेड़ा गांव में पति ने हथौड़े से वार कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। मृतका के पिता ने दहेज न देने पर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पति समेत छह लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने सास-ससुर को हिरासत में लिया है।

शुक्लागंज में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में बुधवार सुबह एक पति ने अपनी पत्नी की हथौड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति घर से फरार हो गया। मृतका के पिता ने रुपये की मांग पूरी न होने पर हत्या कर देने की तहरीर दी है।

जानकारी के अनुसार, मृतका सीमा (28) वर्ष के पिता रामकुमार निवासी आसीवन ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि अतिरिक्त दान दहेज न देने पर बेटी सीमा का पति राजेश, सास और ससुर, भाई गोविंद, बबलू, नंद उर्मिला समेत छह लोगों ने मिलकर हथौड़ी से वार कर बुधवार सुबह हत्या कर दी।

सास-ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

सीओ सिटी दीपक यादव ने बताया कि सास-ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पति की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें लगाई हैं। बताया जा रहा है कि मृतका की शादी छह साल पहले हुई थी। उसका मायका अजमल नगर थाना आसीवन में है और दो बेटे सार्थक (5) और नमन (4) वर्ष हैं।

दादरपुर इटावा कांड में वांछित मुख्य आरोपी गगन यादव हुआ गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के दांदरपुर गांव में भागवताचार्यों के अपमान के कारण विवाद बढ़ गया। कथावाचक की चोटी काटकर उसे सरेआम अपमानित किया गया था। इस घटना के बाद बड़ा बवाल मचा था। हिंसा के मुख्य आरोपी गगन यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसको अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवकुमार शुक्ला ने मंगलवार को बताया कि बकेवर हिंसा के मुख्य आरोपी गगन यादव को इटावा पुलिस में गिरफ्तार कर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सर्वेश यादव की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गगन यादव के मामले की अब अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को की जाएगी।

»पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

यादव के वकील की ओर से जमानत याचिका भी अदालत में पेश की गई थी जिसको अदालत ने संगीन अपराधों की श्रेणी में सुमार मानते हुए खारिज कर दिया है। शुक्ला ने बताया कि अब गगन यादव की जमानत के लिए जिला जज की अदालत में उनके वकील की ओर से आज का दाखिल की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीश चंद्र ने बताया कि 26 जून को बकेवर इलाके के दादरपुर गांव में हुए बवाल और हंगामा के मुख्य आरोपी गगन यादव को क्राइम ब्रांच और बकेवर पुलिस में मेरठ के मवाना स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया है । क्राइम ब्रांच की टीम कड़ी सुरक्षा के बीच मेरठ से इटावा लेकर के गगन

यादव को आई है और उसके बाद इटावा मुख्यालय के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में उसका मेडिकल कराया गया जिसके बाद उसके अदालत में पेश किया गया ।

क्या था पूरा मामला

इसी साल 26 जून को थाना बकेवर क्षेत्र के ग्राम दादरपुर में कथावाचक की चोटी काटकर उसे सरेआम अपमानित किया गया था। इस घटना के बाद बड़ा बवाल मचा था। कथावाचकों के और मारपीट की घटना के बाद गगन यादव के आह्वान पर सैकड़ों लोग एकजुट हुए थे । भीड़ ने विरोध प्रदर्शन करते हुए हिंसा, तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। इस दौरान कई वाहन क्षतग्रिस्त हो गए और इलाके में तनाव का माहौल बन गया था।

थाना पूराकलंदर में पुलिस की अभिरक्षा से गायब हुई किशोरी

»प्रेमी संग फरार होने के बाद पुलिस ने किशोरी को हिरासत में रखा था

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या की पुलिस एक बार फिर कठघरे में है। पूराकलंदर थाना क्षेत्र में प्रेमी संग फरार होने के बाद पुलिस की हिरासत में रखी गई किशोरी पुलिस अभिरक्षा से रहस्यमय ढंग से गायब हो गई है। यह वही किशोरी है जिसके बयान अदालत में दर्ज कराए गए थे, मेडिकल परीक्षण पूरा हो चुका था, और फिर भी उसे परिवार को सुपुर्द नहीं किया गया था। थाने में अभिरक्षा में रखे जाने के दौरान किशोरी का अचानक लापता हो जाना न केवल पुलिस की सतर्कता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महिला सुरक्षा के तमाम दावे केवल कागज़ों पर हैं।

सूत्रों के अनुसार, थाने में मौजूद पुलिसकर्मी उस समय रात्रि ड्यूटी पर थे जब यह घटना हुई। कुछ देर बाद जब किशोरी नजर नहीं आई, तो आनन-फानन में तलाश शुरू की गई, लेकिन किशोरी नहीं मिली। अब पुलिस ने एसओजी और अन्य विशेष टीम को लगाया है। रेलवे स्टेशन से लेकर बस अड्डे तक छानबीन जारी है, परंतु अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस के लिए यह घटना न केवल एक चुनौती है बल्कि उसकी लापरवाह कार्यप्रणाली की पोल भी खोलती है। आखिर थाने जैसी सुरक्षित जगह से कोई नाबालिग कैसे गायब हो सकती है?

संभल के 80 मकानों पर लाल निशान

फिलहाल बुलडोजर चलने का खतरा टला, हाईकोर्ट ने लगाई रोक, चार सप्ताह का समय मिला

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

संभल। संभल के हातिम सराय में सरकारी जमीन पर बने 80 मकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई फिलहाल टल गई है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद ध्वस्तीकरण पर रोक लगाते हुए तहसील प्रशासन को चार सप्ताह के भीतर दस्तावेजों की जांच करने और लोगों को जवाब दाखिल करने का समय दिया है। रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में बने 80 मकानों पर बुलडोजर चलने का खतरा फिलहाल टल गया है। हाईकोर्ट ने लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए रोक लगा दी है। साथ ही चार सप्ताह के अंदर तहसील प्रशासन को अपने-अपने दस्तावेज दिखाने का आदेश दिए हैं।

इसके बाद अगली सुनवाई भी की जानी है। हालांकि प्रशासन से होने वाली वार्ता अभी तक नहीं हो सकी है। शनिवार को डीएम से लोगों ने मुलाकात की थी तो डीएम ने तहसील प्रशासन को अपने-अपने दस्तावेज दिखाने के निर्देश दिए थे। यह दस्तावेज सोमवार या मंगलवार में दिखाने के निर्देश दिए थे लेकिन लोग तहसीलदार के पास दस्तावेज लेकर नहीं पहुंचे।

तहसील प्रशासन ने दावा किया था कि यह 80 मकान तालाब की जमीन पर बनाए गए हैं। इन्हें हटाने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थे। इसमें 15 दिन के अंदर अपने दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया था। वहीं लोगों ने दावा किया कि यह जमीन हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी से वर्ष 2005 के बाद से खरीदनी शुरू की थी।

जो 2012 तक खरीदी गई थी। इसके बाद ही लोगों ने मकानों का निर्माण किया। कुछ लोगों ने कहा कि उनके पास बैनामा कॉपी के साथ मकान का नक्शा पास होने का प्रमाण है। आठ अक्तूबर को टीम के साथ पहुंचे तहसीलदार ने 40 मकानों पर लाल निशान लगवा दिए थे।

इसके बाद ही यहां के मकान मालिक हाईकोर्ट में याचिका दायर करने के लिए पहुंचे। साथ ही शनिवार को डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी। मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई तो ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को रोकने का स्टे कर दिया।

इसके साथ ही चार सप्ताह के अंदर तहसील प्रशासन के नोटिस के मुताबिक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अब लोगों को चार सप्ताह के अंदर नोटिस का जवाब दाखिल करना है। फिलहाल चार सप्ताह तक प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती है।

एडीएम के 2009 के आदेश से भी प्रशासनिक कार्रवाई पर उठे सवाल

हातिम सराय में स्थित जिस जमीन पर मकानों का निर्माण किया गया है। उस जमीन का गाटा संख्या 84, 85व और 86 अंकित है। इस जमीन को लेकर वर्ष 2009 में तत्कालीन एडीएम हरज्ञान सिंह पुंडीर की कोर्ट में सुनवाई हुई थी। 14 सितंबर 2009 को राम सुनीति देवी की निजी संपत्ति होने का आदेश किया गया था।

इसमें कहा गया था कि पीपी एक्ट के तहत जारी किए गए 35 नोटिस वापस किए जाएं। एडीएम की कोर्ट में यह मामला 35 नोटिस जारी होने के बाद पहुंचा था लेकिन जांच पड़ताल हुई तो निजी जमीन होने के प्रमाण पाए गए थे। वर्तमान में चल रही कार्रवाई पर इस आदेश के सामने आने के बाद सवाल खड़े हो गए थे।

राम सुनीति देवी की पोती ने भी कहा, उनकी दादी ने बेची थी जमीन

हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी की पोती सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने कहा कि जिस जमीन पर 80 मकानों का निर्माण किया गया है। वह उनकी दादी की जमीन थी। जो उनकी दादी ने ही बेची थी। सरकारी तालाब नहीं था।

दिलावलपुर में बुखार का कहर
स्वास्थ्य विभाग नींद में डूबा

» हर घर में बीमारी, एक की मौत, दवाओं के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

» गंदगी और मच्छरों के बीच कराहता गांव, स्वास्थ्य विभाग नहीं दे रहा ध्यान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। दिलावलपुर गांव इस समय बुखार की चपेट में कराह रहा है। हर घर में बीमारी का साया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग अब भी नींद में डूबा हुआ है। एक वृद्धा की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग बुखार से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें केवल कागज़ी दौरे तक सीमित हैं दवाएं बांटने की औपचारिकता निभाकर लौट जाती हैं।

गांव की 70 वर्षीय देवकली की मौत इस संवेदनहीनता की गवाही दे रही है। उनके बेटे सुरेंद्र बताते हैं, मां को सात तारीख को बुखार हुआ, इलाज की हर कोशिश की, लेकिन गजनेर से लेकर हैलट तक सिर्फ़ इंतज़ार ही मिला। रविवार की रात देवकली ने दम तोड़ दिया, और उसी घर में अब शारदा देवी (45), कुणाल (10), ज्योति (20), डाली (9), आयुष (11) और उमा देवी बुखार से जूझ रहे हैं।गांव के लगभग हर घर में यही हाल है कमला देवी, सनी, मोनू, देवी प्रसाद, चांदना, रेशमा, गुडिया, नैना, रेनू जैसी दर्जनों महिलाएं और बच्चे बुखार से पीड़ित हैं। ग्रामीण कोमल कहती हैं, बुखार ने ऐसा घेरा कि तीन दिन तक घर में चूल्हा तक नहीं जल सका। गांव में गंदगी और मच्छरों का साम्राज्य फैला है। नालियां जाम हैं, तालाब सड़ांध मार रहे हैं, और सफाईकर्मी महीनों से नहीं दिखे। अशोक सचान बताते हैं,

छह महीने पहले सफाई के नाम पर दिखावा हुआ था, तब से झाड़ू नहीं चली। हालात ऐसे हैं कि दिलावलपुर किसी भी समय महामारी की चपेट में आ सकता है। ग्रामीणों का सवाल है क्या अब स्वास्थ्य विभाग की नींद खुलेगी, या एक और मौत का इंतज़ार किया जाएगा?

चचेरे भाई पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

» फ्रिज का ठंडा पानी लेने गई थी 11 वर्षीय बच्ची, कमरे में बंद कर की गई हैवानियत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक जघन्य वारदात सामने आई है। यहां 19 वर्षीय युवक पर अपनी 11 वर्षीय चचेरी बहन के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है।जानकारी के अनुसार, नाबालिग पड़ोसी के घर फ्रिज का ठंडा पानी लेने गई थी, तभी आरोपी अजय कुमार ने मौका पाकर उसे कमरे में बंद कर दिया और वारदात को अंजाम दिया।

बच्ची के शोर मचाने के बावजूद कोई उसे सुन नहीं सका।कुछ देर बाद जब बच्ची घर नहीं लौटी, तो मां ने पड़ोसी के घर जाकर दरवाज़ा खटखटाया, जहां उन्होंने बेटी को गंभीर हालत में देखा। परिजन तुरंत उसे लेकर थाने पहुंचे और तहरीर दी। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपी फरार है, पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश में दबिश दे रही हैं।

सिकंदरा में केमिकल युक्त पानी पीने से 9 बकरियों की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना स्थित खोजाफूल गांव में नेशनल हाइवे किनारे केमिकल युक्त पानी पीने से नौ बकरियों की मौत हो गई। घटना बाजपेई ढाबा के पास हुई,जहां एक अज्ञात टैंकर से यह पानी फैला था। पशुपालक दीप बाबू उर्फ दीपू अपनी बकरियों को चराने के लिए ले गया था। हाइवे किनारे फैले अज्ञात टैंकर के केमिकल युक्त पानी को बकरियों ने पी लिया। इसके बाद अधिकांश बकरियां तुरंत अचेत होकर जमीन पर गिर गईं। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्यवाही की मांग की। सिकंदरा थाना प्रभारी निरीक्षक हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने मौके पर जांच की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अज्ञात टैंकर की तलाश की जा रही है।

वाह रे सिस्टम: नलकूप कागजों में चल रहा मौके पर बंद पड़ा

» मलासा ब्लॉक मुख्यालय के गांव में ही राजकीय नलकूप खराब, किसानो को पानी का भी संकट

» कानपुर देहात जिले में अन्य कई सरकारी नलकूप तकनीकी खराबी के चलते वर्षों से खराब पड़े

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। वर्तमान सरकार किसानों के हितों के दावे भले ही कर रही हो लेकिन किसान संसाधनों की कमी से परेशान हैं। मलासा विकास खंड के मलासा गांव में में लगभग एक महीने से ज्यादा से खराब राजकीय नलकूपों की कोई सुध लेने वाला नहीं है। इसके चलते किसानों को मौजूदा समय में लाही और आगे गेहूं की बुवाई होनी है। सिंचाई करने में समस्या हो रही है। खराब पड़े नलकूप से किसानों के सामने सिंचाई का संकट बना हुआ है। चौंकाने वाली बात यह

डीपी संख्या 20 में खराब पड़ा राजकीय नलकूप

है कि सिंचाई विभाग की फाइलों में यह नलकूप चालू हालत में दिखाया गया है। कानपुर देहात जिले में कई सरकारी नलकूप तकनीकी खराबी के चलते वर्षों से खराब पड़े है। इसके कारण किसान निजी नलकूपों और अन्य संसाधनों का प्रयोग कर सिंचाई करने के लिए विवश है।लगातार किसानों द्वारा शिकायतें करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। मलासा गांव में डीपी संख्या 45 मे थोड़ी मामूली ईस्टर स्विच का फॉल्ट बताया गया है और वही डीपी संख्या 20 में मोटर का पंखा खराब बताया गया वर्तमान में दोनों इस समय राजकीय नल कूप खराब है। अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के कई बार की शिकायत लेकिन नतीजा सब शून्य है। इसके चलते फसल की सिचाई में काफी समय लगता है। इस समय लाही की फसल बोने का कार्य हो रहा। सरकार के दावों और हकीकत में जो उल्टा है। जब किसान निजी नलकूप से सिंचाई करता है तो डीजल या प्राइवेट ट्यूबल से सिंचाई करेगा तो उसकी जेब पर मार ज्यादा पड़ती है।

क्या बोले सिंचाई विभाग के अधिकारी.

सिंचाई विभाग के जेई संतोष पाल ने कहा कि खराब राजकीय सरकारी ट्यूबवेल की जानकारी मिली है। जिसमें डीपी संख्या 45 में थोड़ी मामूली खराबी आई है और डीपी संख्या 20 में मिस्त्री के द्वारा बताया गया है कि मोटर के पंखा खराब है। जल्द ही इसे सुधार कर किसानो की समस्या का समाधान किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

धान से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी बाइक, युवक की मौत

निनाया गांव के पास धुरा टूटने से ट्रॉली सड़क पर खड़ी थी, ट्रैक्टर चालक फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर-रायपुर रोड पर सड़क किनारे खड़ी धान से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में एक तेज रफ्तार बाइक जा घुसी, जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा निनाया गांव के पास हुआ। धान से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का हिच का धुरा अचानक टूट गया, जिसके चलते ट्रॉली सड़क के बीचोंबीच आकर खड़ी हो गई।

तभी पीछे से तेज गति से आ रहे बाइक सवार ने ट्रॉली को नहीं देख पाया और सीधे उसमें जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक ट्रॉली में फंस गई और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

युवक की पहचान मनेथू गांव निवासी नीरज (33 वर्ष) के रूप में हुई।

हादसे के बाद मौके पर इकट्ठा हुए ग्रामीण

दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और नीरज को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार हो गया। सड़क के बीच ट्रॉली खड़ी रहने से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब आधे घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से ट्रॉली को हटवाया और यातायात बहाल कराया।थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी है।

अनाधिकृत निर्माण पर रतनलाल नगर में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

» कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन 3 में अवैध निर्माण पर हुई कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यांयाल के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने रतनलाल नगर स्थित एक आवासीय परिसर पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार, सपना अरोड़ा द्वारा परिसर संख्या-130, एम.आई.जी., रतनलाल नगर में बिना स्वीकृत मानचित्र के अनाधिकृत निर्माण कार्य कराया गया था। उक्त निर्माण पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27 व 28 के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने पूर्व में निर्मित भू-तल एवं प्रथम तल के अशिक भाग को ध्वस्त किया।

कार्यवाही में प्रभारी अधिकारी सहित अवर अभियंता अटल चतुर्वेदी तथा विभागीय प्रवर्तन गैंग शामिल रहे।

केडीए प्रवर्तन टीम ने चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी प्रकार के अवैध व अनाधिकृत निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

सड़क हादसे में घायल 60 वर्षीय वृद्ध की 108 एंबुलेंस की मदद से बची जान

राहगीरों ने चालक और ईएमटी की दी बधाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां क्षेत्र के बढ़ौली मोड़ स्थित सोम ढाबा के पास मंगलवार को दिन में एक फोर व्हीलर वाहन ने सड़क पार कर रहे 60 वर्षीय वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। पायलट अटल बिहारी और ईएमटी धर्मवीर ने तत्परता दिखाते हुए घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद नजदीकी सरकारी अस्पताल पुखरायां पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। जहां उनकी हालत खतरे के बाहर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, रामनाथ पुत्र गुज्जल प्रसाद, निवासी गांव मुरीदपुर, पोस्ट बरौर सड़क पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार से आ रहे फोर व्हीलर वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार कर और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बढ़ौली मोड़ पर आए दिन तेज रफ्तार वाहन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।

बल्लेबाजों की मददगार चार नंबर पिच पर आज शुरू होगा रणजी मुकाबला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बीसीसीआई की सबसे बड़ी घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी की शुरुआत बुधवार से होने जा रही है। पहले दिन ग्रीनपार्क स्टेडियम में मेजबान उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच मुकाबला होगा।

कप्तान करन शर्मा के नेतृत्व में उप्र टीम मैदान पर उतरेगी। आंध्र प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी दो दिनों तक यहां काली मिट्टी की पिच पर अभ्यास किया। सुबह 9:30 बजे शुरू होने वाले मैच के लिए बल्लेबाजों की मददगार चार नंबर की पिच तैयार की गई है।रणजी ट्रॉफी के इतिहास में उत्तर प्रदेश ने अब तक केवल एक बार 2006 में मोहम्मद कैफ की कप्तानी में खिताब जीता था। इस बार टीम नए कोच अरविंद कपूर की देखरेख में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी। पिछले सत्र में नॉकआउट चरण से पहले ही बाहर हुई उप्र टीम इस बार एलीट ग्रुप-ए में शामिल है जिसमें गत चैंपियन विदर्भ की भी टीम है।टीम अपने पहले चरण के पांच मुकाबलों में तीन ग्रीनपार्क में खेलेगी। टीम में रिंकू सिंह, प्रियम गर्ग, आराध्य यादव, अभिषेक गोस्वामी और माधव कौशिक बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देंगे, जबकि आकिब खान, शिवम मावी, वैभव चौधरी, कुणाल त्यागी, विप्रज निगम, प्रशांत वीर और शिवम शर्मा गेंदबाजी में दम दिखाने को तैयार हैं।विकेट को देखते हुए टीम दो स्पिनरों के साथ उतर सकती है। आंध्र प्रदेश टीम के कप्तान रिकी भुई हैं। टीम में उप्र के पूर्व ऑलराउंडर सौरभ कुमार का शामिल होना उनके लिए बड़ा फायदा माना जा रहा है।विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत, अभिषेक रेड्डी, अश्विन हेबर और करण शिंदे ने नेट्स पर जमकर तैयारी की है। गेंदबाजी में केवी शशिकांत, पृथ्वी राज, सीवी स्टीफन, सत्यनारायण राजू, यारा संदीप, सौरभ कुमार और त्रीपूर्ण विजय टीम की अहम ताकत रहेंगे।

(बीएचयू रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा!)

ग्रह दोष को नजरअंदाज करने वाले जोड़े शादी के बाद बन रहे हैं एक-दूसरे के दुश्मन

तीन प्रोफेसरों की टीम ने विवाह संबंधी ग्रह-योग, कुंडली मिलान और मांगलिक दोष पर एक गंभीर अध्ययन कर सनातन परंपरा के वैज्ञानिक पक्ष को उजागर किया

पुरुषोत्तम द्विवेदी स्वराज इंडिया

» वाराणसी/लखनऊ। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) से निकली एक ताज़ा शोध रिपोर्ट ने समाज को गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया है। आधुनिक युग में जब युवा पीढ़ी पारंपरिक रीति-रिवाजों और वैदिक परंपराओं को पुराना चलन कहकर नज़रअंदाज कर रही है, उसी दौर में बीएचयू के तीन प्रोफेसरों की टीम ने विवाह संबंधी ग्रह-योग, कुंडली मिलान और मांगलिक दोष पर एक गंभीर अध्ययन कर सनातन परंपरा के वैज्ञानिक पक्ष को उजागर किया है।

यह शोध स्पष्ट संकेत देता है कि आधुनिक समाज में विवाह के संस्कार को केवल औपचारिकता या व्यक्तिगत पसंद तक सीमित कर देना, एक बड़ी सामाजिक भूल साबित हो रही है।

ग्रह दोष या कुंडली मिलान जैसी परंपराएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक समरसता बनाए रखने का एक वैज्ञानिक माध्यम हैं। ''आधुनिकता'' अच्छी है, लेकिन अपनी जड़ों से कटना नहीं। क्योंकि हमारी सनातनी परंपराएं केवल आस्था नहीं, अनुभवजन्य विज्ञान हैं।

क्या कहती है रिसर्च ?

रिसर्च टीम ने देश के 12 राज्यों से 200 से अधिक वैवाहिक मामलों का अध्ययन किया –

इन सभी मामलों में शादी के बाद मानसिक अस्थिरता, अविश्वास, हिंसा, प्रेम प्रसंग, और यहां तक कि आत्महत्या जैसी घटनाएं दर्ज की गई थीं।

अध्ययन में पाया गया कि इनमें से अधिकांश मामलों में पति-पत्नी की कुंडलियों में प्रमुख ग्रह दोष या असंगति (असमान ग्रह-योग) मौजूद थी — जिनकी अनदेखी विवाह के समय कर दी गई थी। प्रोफेसर टीम का कहना है कि ष्हमारा उद्देश्य अंधविश्वास को बढ़ावा देना नहीं है। बल्कि यह समझना है कि परंपरागत ज्योतिष और कुंडली मिलान के पीछे एक गहरा सामाजिक और मानसिक संतुलन का विज्ञान छिपा है।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

कुंडली मिलान का वैज्ञानिक दृष्टिकोण !

सनातन परंपरा में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो ऊर्जा-संवेदनाओं का संगम माना गया है।कुंडली मिलान में गुण मिलान, ग्रह स्थिति, चंद्र राशि, नाड़ी दोष, भकूट दोष जैसे तत्व देखे जाते हैं।इन सभी का सीधा संबंध व्यक्ति के स्वभाव, मानसिक संतुलन, भावनात्मक प्रवृत्ति और निर्णय क्षमता से होता है।

प्राचीन काल में इन पहलुओं को समझकर ही विवाह तय किया जाता था — ताकि दांपत्य जीवन में सौहार्द और दीर्घकालिक स्थिरता बनी रहे।

आधुनिकता बनाम परंपरा में उलझे परिवार

आज के दौर में युवाओं के बीच लव मैरिज और कुंडली मिलान की जरूरत नही जैसी सोच बढ़ रही है।

रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि ऐसे जोड़े, जिनकी कुंडलियां असंगत या दोषयुक्त थीं, वे शादी के कुछ ही महीनों में आपसी टकराव का शिकार हुए।

कई मामलों में प्रेम विवाह के बावजूद रिश्ते टूटे या जीवन हिंसक मोड़ पर पहुंचा।

रिपोर्ट के अनुसार जब हम अपने पारंपरिक ज्ञान को 'अंधविश्वास' कहकर छोड़ देते हैं, तो अक्सर अनजाने में ही उस मानसिक और ऊर्जात्मक संतुलन को तोड़ देते हैं जो वैवाहिक जीवन की नींव है।

सनातनी दृष्टिकोण की प्रासंगिकता

भारत की वैदिक सभ्यता में विवाह को संस्कार कहा गया है, न कि केवल एक अनुबंध।

'विवाह' शब्द ही संस्कृत धातु 'वह' (अर्थात् वहन करना) से बना है — यानी जीवनभर एक-दूसरे के कर्म, भावनाएं और जिम्मेदारियां वहन करना।ऐसे में ग्रह दोष या कुंडली असंगति केवल आस्था का नहीं, बल्कि ऊर्जात्मक असंतुलन का संकेत मानी जाती है। बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. अमरेश मिश्र का कहना कि आधुनिक युग में विज्ञान और अध्यात्म को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, पूरक मानने की जरूरत है।

लाखों शिक्षामित्रों को जल्द मिलेगी खुशखबरी, सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

» शिक्षामित्र के भविष्य निर्धारण विषयक कार्यशाला में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सरकार शिक्षामित्रों के संघर्ष और समर्पण को भली-भांति समझती है

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख शिक्षामित्रों के लिए लंबे इंतजार के बाद अब खुशखबरी आने वाली है। शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आश्वासन के बाद सरकार जल्द ही शिक्षामित्रों के हित में सकारात्मक फैसला लेने जा रही है।

मंगलवार को विधानभवन के तिलक हाल में आयोजित शिक्षामित्र के भविष्य निर्धारण विषयक कार्यशाला में श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सरकार शिक्षामित्रों के संघर्ष और समर्पण को भली-भांति समझती है, और बहुत जल्द उनकी मेहनत का उचित परिणाम सामने आएगा।मंत्री ने शिक्षामित्रों से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और लगन से शिक्षण कार्य जारी रखें।

कार्यक्रम में आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र दुबे ने बताया कि मुख्यमंत्री ने 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) को ही शिक्षामित्रों के मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी का संकेत दिया था। अब पूरे प्रदेश के शिक्षामित्र बेसब्री से इस घोषणा के अमल में आने का इंतजार कर रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरीकिशोर तिवारी ने की। कार्यशाला में प्रदेशभर से शिक्षामित्र पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और महिला प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

---

20 करोड़ की चांदी समेत चार युवक गिरफ्तार, आयकर विभाग को सौंपा

सिगरा पुलिस ने टाटा मैजिक में ले जाई जा रही 11.29 किलो चांदी को चेकिंग के दौरान पकड़ा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वराज इंडिया वाराणसी। दीपावली पर खपाने के लिए टाटा मैजिक पर लाई जा रही 11.29 कुन्तल चांदी के जेवर को सिगरा पुलिस ने चेकिंग के दौरान चार युवकों समेत गिरफ्तार किया। बाद में आयकर विभाग को चांदी व चारों युवकों को सौंप दिया।

सिगरा इंस्पेक्टर संजय मिश्रा व चौकी इंचार्ज हमराहियों के साथ रोडवेज पर चेकिंग अभियान चला रहे थे। तभी एक टाटा मैजिक नम्बर यूपी 65 एचटी 2827 लहरतारा से चौकाघाट की ओर आती दिखाई दी जिसे रोडवेज के पास चौकी इंचार्ज रोडवेज ने रोक लिया। गाड़ी को ओवरलोड देखते हुए शक हुआ जब पुलिस द्वारा उसकी तलाशी ली गयी तो उसमें पैक कर रखे गये काफ़ी मात्रा में चांदी बरामद किया गया फिर दिन भर उसकी गहन जांच हुई थाने में सिगरा आयकर की टीम के साथ काफी संख्या में आयकर विभाग की टीम ने पत्रकारों को थाने से बाहर कर दिया और वेट मशीन से सिगरा थाना परिसर में तलाशी शुरू हो गई। जिसका वजन 11.29 किलोग्राम बताया गया। जिसकी बाजार में कीमत लगभग 20 करोड़ रुपए आंकी गयी। इस बरामदगी के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।टाटा मैजिक को सिगरा थाना पर लाया गया। प्रभारी निरीक्षक सिगरा संजय कुमार मिश्र द्वारा चारों युवकों से गहनता से पूछताछ किए जाने पर उन्होंने बताया कि यह लोग गाड़ी लेकर चौकाघाट स्थित संजय ट्रांसपोर्ट पर लेकर जा रहे थे वहीं से संबंधित व्यापारी अपने कागजात दिखाकर माल ले जाते थे। जानकारी स्पष्ट न मिलने पर बरामद चांदी को आयकर विभाग के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया।

अयोध्या नगर निगम में 200 करोड़ का घोटाला!

स्वराज इंडिया की रिपोर्ट के बाद मचा भूचाल

» पूर्व मंत्री पवन पांडेय का खुलासा, ऑडिट रिपोर्ट लेकर सरकार पर दागे तीखे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की नगरी में मर्यादा से बड़ा खेल! सपा के पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय ने दावा किया है कि अयोध्या नगर निगम ने लगभग 200 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक दस्तावेज़ लहराया यह कोई आरोप नहीं, ऑडिट रिपोर्ट है। कहा कि नौकरशाही और भाजपा नेताओं की मिलीभगत से अयोध्या को लूटा गया है। ये लोग राम के नाम पर ठेकेदारी का धर्म चला रहे हैं। बता दे कि स्वराज इंडिया ने एक सप्ताह पूर्व इसी घोटाले पर एक्सक्लूसिव रिपोर्ट प्रकाशित की थी। मामले के सुर्खियों में आने के बाद ही पूर्व मंत्री ने दस्तावेज़ों सहित प्रेस के सामने यह खुलासा किया।

पूर्व मंत्री का कहना है कि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान 28 किमी मार्ग की सफाई का ठेका तीन महीने के लिए दिया गया। अगले ही दिन आदेश बदला 15.5 किमी पर सफाई हो सकती है, बाक़ी निर्माणाधीन है। फिर भी पूरे 28 किमी का भुगतान कर दिया गया! सजावट 19 चौराहे पर, बिल 22 का निकला। सजावट का ठेका 22 चौराहों पर दिखाया गया। सत्यापन में 19 चौराहे ही सजाए गए, लेकिन भुगतान सभी 22 का कर दिया गया। हर चौराहे पर करीब 1 करोड़ रुपए खर्च दिखाए गए। कान्हा गोशाला में सोलर पैनल 'अंधकारमय' 1 करोड़ से अधिक की लागत से सोलर सिस्टम का ठेका, पर संयंत्र आज तक चालू नहीं। अधूरा काम पड़ा है, लेकिन पूरा पेमेंट क्लियर कर दिया गया है।

पूर्व मंत्री के आरोप है कि सीएम हर हफ्ते अयोध्या आते हैं, लेकिन उनके सामने ही यह लूट चलती रही। जनता की खून-पसीने की कमाई को ठेकेदारों और अफसरों ने बांट लिया। उन्होंने कहा कि 'एबी इंटरप्राइजेज' जैसी ब्लैकलिस्टेड फर्मों को बार-बार टेंडर दिए गए। आरटीआई के जवाब में 102 से अधिक फाइलें गायब बताई गईं। पूर्व मंत्री ने मांग की है कि केंद्र की एजेंसी सीएजी से जांच कराई जाए और प्रधानमंत्री मोदी के अयोध्या दौरे से पहले दोषियों पर मुकदमा दर्ज हो।

क्या बोले अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ

सभी विभागों में ऑडिट एक सामान्य प्रक्रिया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की ऑडिट आपत्तियां नगर निगम को प्राप्त हुई हैं। इनका परीक्षण कराकर उत्तर तैयार किया जा रहा है और ऑडिट विभाग को भेजा जाएगा। ऐसा प्रतीत होता है कि तकनीकी रूप से आपत्तियां बिना जांचे भेजी गई हैं। निस्तारण के लिए तीन माह का समय मिला है।

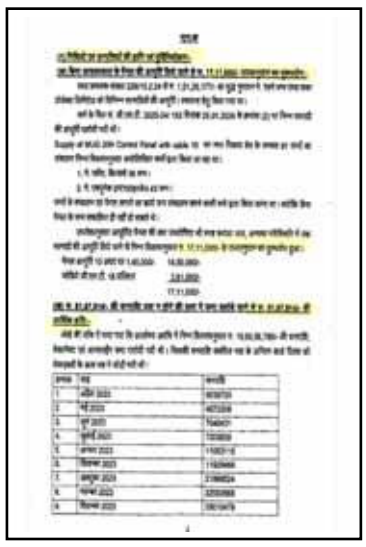

दीपोत्सव से पहले रुदौली एसडीएम चले गए अवकाश पर

महकमे में तेजी से हो रही तबादला किए जाने की चर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली के एसडीएम विकास धर दुबे दो दिन के अवकाश पर चले गए हैं। ऐसे समय में जब अयोध्या में 19 अक्टूबर को दीपोत्सव का भव्य आयोजन होना है, एसडीएम का अवकाश पर जाना प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।सूत्रों के मुताबिक, उनके स्थानांतरण की अटकलें तेज हो गई हैं। विधायक रामचंद्र यादव से प्रोटोकॉल विवाद के बाद एसडीएम फिर नए विवाद में आ गए थे, जब उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष शीतल प्रसाद शुक्ल के घर पैमाइश के लिए पहुंचकर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी थी। घटनाक्रम के बाद विधायक नगर पंचायत अध्यक्ष को साथ लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाकात कर चुके हैं और पूरे प्रकरण की जानकारी दी है।इसी बीच एसडीएम का अचानक अवकाश पर जाना स्थानांतरण की संभावना को और बल दे रहा है। कलेक्ट्रेट से मिली जानकारी के अनुसार, स्नातक निर्वाचन को देखते हुए निर्वाचन आयोग से उनके स्थानांतरण की अनुमति मांगी गई है। संभावित नए एसडीएम के रूप में रुदौली के एसडीएम न्यायिक कौशल किशोर का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष के विदेश में होने की वजह से प्रोटोकॉल विवाद पर अंतिम निर्णय लंबित है, जिसके लिए उनके लौटने का इंतजार किया जा रहा है।

..तो क्या दीपोत्सव 2025 की आड़ में हो रहा 'डीलोत्सव'

» टेंडर खुलने से पहले ठेका तय यह हो जाने पर उठने लगे हैं कई सवाल

» दीपोत्सव की तैयारी के नाम पर नगर निगम पर लगा भ्रष्टाचार का कलंक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की नगरी में एक बार फिर भव्य दीपोत्सव की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट दीपोत्सव 2025 इस बार 18 अक्टूबर से आरंभ होगा। लेकिन इस भव्य आयोजन के पहले नगर निगम अयोध्या में ऐसा जादू चल रहा है, जिसे देखकर नियम, प्रक्रिया और पारदर्शिता सब शर्मिंदा हैं।

नगर निगम ने 10 अक्टूबर 2025 को दीपोत्सव संबंधी कार्यों के लिए विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में कहा गया 11 से 15 अक्टूबर तक टेंडर भरिए, 16 अक्टूबर को टेंडर खुल जाएगा और 17 अक्टूबर तक काम पूरा कर दीजिए...क्योंकि 18 अक्टूबर से दीपोत्सव शुरू हो जाएगा।अब सवाल है क्या नगर निगम ने 'हनुमान जी का संजीवनी-स्पीड मॉडल' अपना लिया है? या फिर सब कुछ पहले से सेट है? क्योंकि किसी भी सरकारी प्रक्रिया में टेंडर जारी होने से लेकर स्वीकृति और कार्यारंभ तक कम से कम 15 दिनों का समय निर्धारित है। यहाँ पूरा खेल सिर्फ़ सात दिनों में निपटाया जा रहा है। स्वराज इंडिया को सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा खेल पहले से तय ठेकेदारों के पक्ष में रचा गया है। कुछ नाम पहले ही चिन्हित कर लिए गए थे विज्ञप्ति सिर्फ़ औपचारिक कवर स्टोरी भर है। एक नगर निगम कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया साहब, टेंडर तो दिखाने के लिए निकला है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी ऑफ द रिकॉर्ड कहा टेंडर प्रक्रिया सिर्फ़ दिखावा है।

स्वीकृति से पहले ही साइट पर काम

टेंडर प्रक्रिया को न्यूनतम समय में निपटाकर पारदर्शिता खत्म की गई। समान प्रकृति के कार्यों को जानबूझकर अलग-अलग दिखाकर नियम तोड़े गए। कार्य स्वीकृति से पहले ही साइट पर काम शुरू करने के सबूत मिले। कुछ विभागों में पहले से तय कंपनियों के नाम ड्राफ्ट फाइलों में मौजूद पाए गए। अयोध्या की जनता अब पूछ रही है क्या दीपोत्सव की भव्यता दिखाने के नाम पर टेंडर की पवित्रता कुर्बान कर दी गई है?

योगी ने पात्र महिलाओं को रिफिल सब्सिडी के 1500 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए

1.86 करोड़ महिलाओं को दिवाली पर मिला गैस सिलेंडर का तोहफा

यूपीः मुख्यमंत्री योगी बोले- अगर किसी को यमराज के दर्शन करने हों तो किसी बेटी को छेड़ने की हिम्मत करे

» आरपी सिंह, स्वराज इंडिया न्यूज।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 1.86 करोड़ महिलाओं को दिवाली पर गैस सिलेंडकर तोहफा दिया है। लोक भवन में दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1500 करोड़ रुपये प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र महिलाओं को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी ट्रांसफर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दीपावली के इस त्यौहार पर जो भी खरीदे वह स्वदेशी ही खरीदे और किसी को गिफ्ट भी देना हो तो वह गिफ्ट भी हमारे अपने लोगों द्वारा बनाए गए स्वदेशी ही होना चाहिए।

» कहा- पर्व और त्योहार के समय किसी एक गरीब की सहायता जरूर करें।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले गरीब महिलाओं को लकड़ी और कोयले में खाना पकाना पड़ता था जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता था। उन्हें जिंदगी भर इलाज करवाना पड़ता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गये जिससे महिलाओं का जीवन आसान हुआ। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई, 2016 में हुई थी।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय किया। इस फैसले के चलते राज्य के 14.82 लाख कर्मचारियों को 6908 रुपये बोनस दिया जाएगा। इससे राज्य सरकार के खजाने पर 1022 करोड़ रुपये का व्यय आएगा। साथ ही मुख्यमंत्री बोनस के समयबद्ध भुगतान के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में सैफई परिवार ही सबकुछ था। हमारे लिए पूरा प्रदेश परिवार है। सपा सरकार दंगाइयों के सामने नाक रगड़ती थी और अपराधियों के साथ खड़ी होती थी पर हमने तय किया कि अब अगर किसी बेटी के साथ छेड़छाड़ की तो अगले चौराहे पर यमराज के दर्शन हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर यमराज से टिकट करवाना हो तो किसी बेटी से छेड़छाड़ कर दे। अगले चौराहे पर यमराज मिल जाएंगे। हमने कहा है कि हर बेटी को सुरक्षा देंगे। हर व्यापारी को सुरक्षा देंगे। हर गरीब के साथ सरकार खड़ी होगी। हर दलित के साथ सरकार खड़ी होगी। उत्साह और उमंग में किसी ने व्यवधान डालने का काम किया तो उसे जेल में ठूंसने में देर नहीं करेंगे। इसलिए आज हर त्योहार खुशी के साथ मनाया जा रहा है।

योगी सरकार ने आधी आबादी की सबसे ज्यादा चिंता की हैः सुरेश खन्ना

इस मौके पर यूपी सरकार के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से केंद्र की सत्ता में आए हैं वो आम लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी भी लगातार काम कर रहे हैं। प्रदेश में कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख 24 हजार लोगों को लाभ मिला है। इसी तरह सामूहिक विवाह योजना से गरीब कन्याओं का विवाह करवाया गया है। वित्तमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के लिए चल रही अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश की महिलाओं की सबसे ज्यादा चिंता की है।

वित्त मंत्री बोले कि मुद्दई हरगिज न कर पाएगा बांका बाल तक, मोदी योगी गूंजेगा भारत में सौ साल तक।

संदीप की मौत से पेचीदा हुआ आईपीएस पूरन सुसाइड केस

दोनो में कौन सच्चा कौन झूठा, पोस्टमार्टम पर बढ़ीं उलझनें

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

हरियाणा के आईपीएस वाई पूरन कुमार का सुसाइड केस अब और पेचीदा हो गया है। पूरन कुमार के स्टाफ के खिलाफ वसूली मामले की जांच करने वाले इन्वेस्टीगेशन अफसर एएसआई संदीप लाठर ने गोली मार कर आत्महत्या कर ली है। इस घटना से जहां आईपीएस केस की गुत्थी और उलझ गई है, वहीं अब एएसआई संदीप लाठर का परिवार भी दोषियों पर कार्रवाई नहीं होने तक अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़ गया है। संदीप रोहतक में साइबर सेल में तैनात थे। मरने से पहले उन्होंने एक वीडियो और सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमें दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

संदीप के भाई ने कहा कि हम अपने भाई का शव रखकर प्रदर्शन करेंगे। जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हम अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। हमें न्याय नहीं मिला तो हम बड़ा आंदोलन करने को तैयार होंगे, जिसका निर्णय लिए कल पंचायत कर लिया जाएगा। मृतक के परिजनों ने साफ चेतावनी दी है कि पूरन कुमार की पत्नी की गिरफ्तारी के बिना संदीप का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। एएसआई संदीप लाठर मूलरूप से हरियाणा के जींद जिला के जुलाना के रहने वाले थे। पांच साल पहले वह परिवार के साथ रोहतक शिफ्ट हुए थे। वह छुट्टी के दिन जुलाना में जरूर आते थे। अभी रविवार को भी वह जुलाना आए थे। उनकी आत्महत्या की खबर से जुलाना के लोग स्तब्ध हैं।

संभव है कि बहुत से लोगों की तरह संदीप को भी यह अखरा हो कि एडीजीपी के शव का पोस्टमार्टम क्यों नहीं हो रहा? लेकिन, इस मसले को सुलझाने के लिए सरकार और पूरा तंत्र लगा ही है। फिर, संदीप को इस मामले में पड़ने की जरूरत क्या थी?

लाठर को इसी वर्ष सीएम कर चुके थे सम्मानित

संदीप कुमार लाठर को इसी साल 15 अगस्त को सम्मानित किया गया था। सीएम सैनी ने एएसआई संदीप को सम्मानित किया था। क्राइम ब्रांच में शानदार सेवाओं के लिए इसी साल उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर सीएम नायब सिंह सैनी ने सम्मानित भी किया था। संदीप के दादा भरत सिंह और छोटे दादा ने भी सेना में सेवाएं दी थीं। छोटे दादा ने बर्मा में लड़ाई भी लड़ी और सात साल जेल भी काटी थी। उन्हीं से प्रेरित होकर संदीप ने पुलिस की नौकरी चुनी थी।

भाई मरा नहीं, मारा गया

एएसआई संदीप के ताऊ के लड़के शीशपाल लाठर का कहना है कि पूरन कुमार की पत्नी व उनके समर्थकों पर केस दर्ज होना चाहिए। पूरन सिंह की पत्नी की गिरफ्तारी के बाद ही हम संदीप का अंतिम संस्कार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा भाई मरा नहीं दबाव डालकर मरवाया गया है। शीशपाल आर्य ने ये भी कहा कि संदीप खुद गोली मारने की बजाय धरने पर बैठे 5-7 लोगों को मार देता तो अच्छा होता।

नहीं रहे महाभारत में 'कर्ण' बने पंकज धीर

68 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, कैंसर से थे पीड़ित

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मनोरंजन जगत से आज सुबह एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में कर्ण का यादगार किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए दिग्गज अभिनेता पंकज धीर का निधन हो गया है। टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आज बुधवार को सुबह 11.40 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके अचानक चले जाने से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है।

महाभारत में कर्ण बनकर सबके दिलों में बस गए पंकज धीर अब हमारे बीच नहीं रहे। 68 साल में उन्होंने अंतिम सांस ली है। पिछले कई दिनों से पंकज धीर अस्पताल में एडमिट थे। लम्बे समय से वो कैंसर से अपनी लड़ाई लड़ रहे थे। लेकिन आखिरकार ये जंग हार गए और बीती रात उन्होंने आखिरी सांस ली।

'कर्ण' बनकर अमर हो गए

पंकज धीर को उनकी शानदार अभिनय क्षमता और दमदार आवाज के लिए जाना जाता था, लेकिन 1988 के ऐतिहासिक धारावाहिक 'महाभारत' में निभाए गए कर्ण के चरित्र ने उन्हें अमर बना दिया। उन्होंने 'सड़क', 'सोल्जर' और 'बादशाह' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया और टीवी पर भी लगातार सक्रिय रहे।

जानकारी के अनुसार, अभिनेता पंकज धीर के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आज (15 अक्टूबर) मुंबई के विले पार्ले स्थित पवनहंस श्मशान घाट पर कुछ ही देर में किया जाएगा। उनके परिवार और करीबी दोस्तों के साथ-साथ सिनेमा जगत के कई बड़े सितारे उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान घाट पहुँच रहे हैं। पंकज का भारतीय टेलीविजन के एक युग का अंत है।